आर्थिक प्रक्षेप पथ

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (EAC-PM)** की रिपोर्ट से पता चला है कि 1960 के दशक में भारत में पाँच राज्यों का आर्थिक प्रभुत्व था।

प्रमुख बिंदु

- 1960 के दशक में, पाँच राज्यों उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और बिहार का भारत के **सकल घरेलू उत्पाद (GDP)** में लगभग 54% योगदान था।
- **उत्तर प्रदेश (तब अविभाजित**) इन राज्यों में सबसे बड़ा आर्थिक योगदानकर्त्ता था, जो भारत के कुल सकल घरेलू उत्पाद में **14.4% का योगदान देता था** ।
- **उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था:**
    - **सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) वृद्धि:**
        - **वर्ष 2022-23 में उत्तर प्रदेश की स्थिर मूल्यों पर (GSDP) 8.3% बढ़ी, जो वर्ष 2021-22 में 10.2% थी।**
        - वर्ष 2022-23 में राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद 7.2% बढ़ने का अनुमान था।
    - क्षेत्रीय विकास:
        - कृषि क्षेत्र: वर्ष 2022-23 में 10% की वृद्धि (वर्तमान मूल्यों पर), जबकि वर्ष 2021-22 में 14% की वृद्धि हुई (2021-22 में वृद्धि निम्न आधार पर थी)।
        - विनिर्माण क्षेत्र: वर्ष 2022-23 में 22% की वृद्धि हुई थी।
        - सेवा क्षेत्र: वर्ष 2022-23 में 12% की वृद्धि हुई थी।
        - अर्थव्यवस्था में योगदान (स्थिर मूल्यों पर): कृषि (24%), विनिर्माण (30%), सेवाएँ (46%)।
    - प्रति व्यक्ति GSDP:
        - **वर्ष 2022-23 में (वर्तमान मूल्यों पर) 96,193 रुपए** अनुमानित , जिसमें **वर्ष 2017-18 से 8%** की वार्षिक वृद्धि हुई थी।

//

Figure 1: Growth in GSDP and sectors in Uttar Pradesh at constant prices (2011-12)

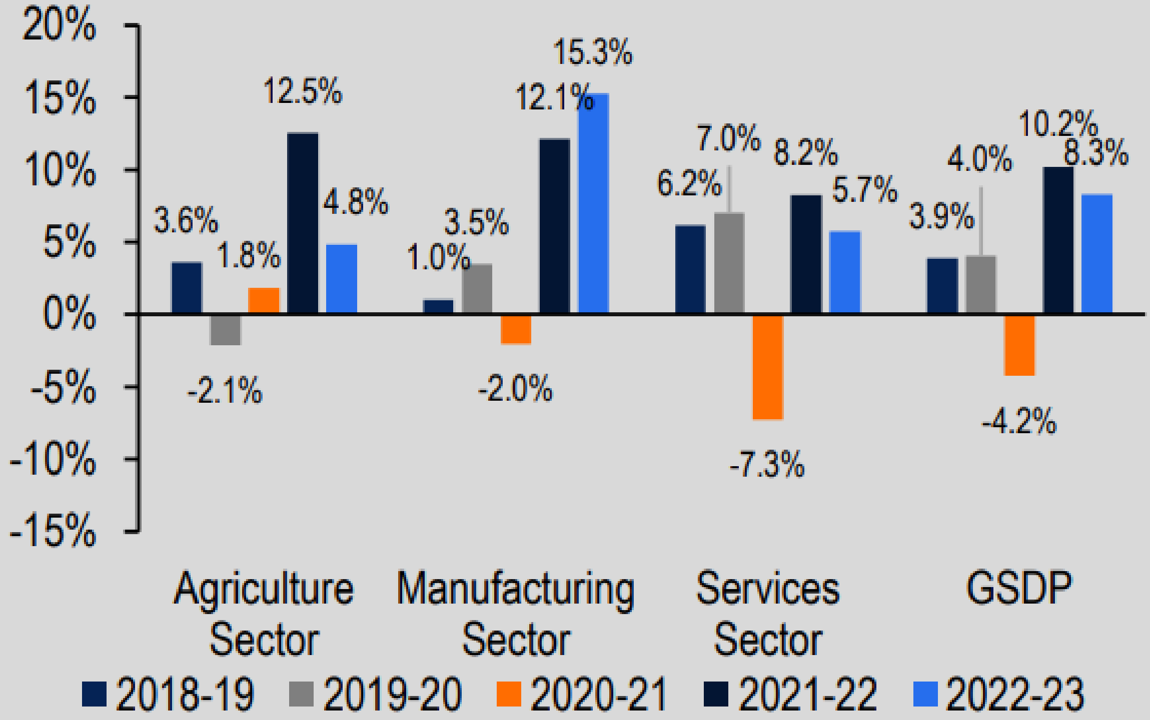

Note: Agriculture includes mining and quarrying; Manufacturing includes construction and electricity. These numbers are as per constant prices (2011-12) which implies that the growth rate is adjusted for inflation.

- **वर्ष 2011-12 के स्थिर मूल्यों पर GSDP वृद्धि दरें थीं:** 4.7% (2012-13), 5.8% (2013-14), 4.0% (2014-15), 8.8% (2015-16), 11.4% (2016-17), 4.6% (2017-18), 6.3% (2018-19), 3.8% (2019-20), -5.5% (2020-21) और 4.2% (2021-22)।
- **राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी:** राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी या तो स्थिर है या घट रही है। एक **ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लिये** यूपी की हिस्सेदारी बढ़कर 20% होनी चाहिये।
  - वर्तमान मूल्यों पर भारत की GDP वर्ष 2016-17 में 153.92 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर वर्ष 2021-22 में 236.64 लाख करोड़ रुपए हो गई थी।
  - भारत के सकल घरेलू उत्पाद में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी वर्ष 2016-17 में 8.4% से घटकर वर्ष 2021-22 में 7.9% हो गई थी।
- **प्रति व्यक्ति आय का बढ़ता अंतर** : भारत और उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय के बीच का अंतर पिछले कुछ वर्षों में बढ़ा है। वर्ष 2011-12 में उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय भारत की लगभग 50% थी, लेकिन वर्ष 2021-22 तक यह घटकर **45.87% रह गई थी** । यह दर्शाता है कि उत्तर प्रदेश ने राष्ट्रीय आर्थिक विकास के साथ तालमेल नहीं रखा है।
- **वैकल्पिक विकास परिदृश्यों के तहत वर्ष 2026-27 में अनुमानित GSDP को बिंदुओं में व्यवस्थित किया गया है:**
  - **बहुत अधिक (CAGR = 20%)** : 42.5 लाख करोड़ रुपए
  - **उच्चतम (CAGR = 15%)** : 35.8 लाख करोड़ रुपए
  - **मध्यम (CAGR = 12%)** : 32.2 लाख करोड़ रुपए
  - **सामान्य (CAGR = 10%)** : 30 लाख करोड़ रुपए

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (EAC-PM)

- यह एक **गैर-संवैधानिक, गैर-सांविधिक, स्वतंत्र निकाय है,** जिसका गठन भारत सरकार, विशेष रूप से प्रधानमंत्री को आर्थिक और संबंधित मुद्दों पर सलाह देने के लिये किया गया है।
- यह परिषद तटस्थ दृष्टिकोण से भारत सरकार के समक्ष **प्रमुख आर्थिक मुद्दों को उजागर करने का कार्य करती है।**
  - **यह मुद्रास्फीति, माइक्रोफाइनेंस और औद्योगिक उत्पादन** जैसे आर्थिक मुद्दों पर प्रधानमंत्री को सलाह देती है।
- प्रशासनिक, संभार-तंत्र, योजना और बजटीय उद्देश्यों के लिये नीति आयोग **EAC-PM के लिये नोडल एजेंसी** के रूप में कार्य करता है।
- **आवधिक रिपोर्ट:**
  - वार्षिक आर्थिक परिदृश्य

- अर्थव्यवस्था की समीक्षा

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/economic-trajectory-1